BSES

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बीएसईएस दिल्ली मॉनसून के लिए पूरी तरह तैयार
अब बारिश में भी मिलेगी बेहतर बिजली आपूर्ति

- मॉनसून में बढ़ जाता है करंट का खतरा, नमी वाली जगहों पर न जाएं

नई दिल्लीः 8 जुलाई। गर्मी और उमस भरे दिनों के बाद, आखिर अब मॉनसून दिल्ली पहुंचने वाला है। मॉनसून लोगों को गर्मी और हीट वेव से राहत तो जरूर दिलाता है, लेकिन यह अपने साथ नमी, सीपेज व जलभराव जैसी समस्याएं भी साथ लेकर आता है। बारिश का पानी जमा होने और तेज हवा के कारण पेड़ों की शाखाएं टूटने के कारण एक ओर जहां बिजली की आपूर्ति पर असर पड़ता है, वहीं इस मौसम में करंट का खतरा भी बढ़ जाता है। मॉनसून संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, बारिश के दिनों में अपने 45 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को बेहतर व सुरक्षित बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस ने तैयारी पूरी कर ली है।

मॉनसून एक्शन प्लान के तहत, निचले इलाकों में लगे ट्रांसफॉर्मरों के फाउंडेशन को ऊंचा करके उन्हें सुरक्षित स्तर पर लया गया है। स्विचगियर्स के ऊपर छतें लगाई गई हैं, ताकि जलभराव के कारण स्विचगियर्स में नमी और सीपेज न आने पाए। जहां भी संभव हो पेड़ों की शाखाओं की छंटाई का काम किया गया है, ताकि बिजली की तारें उनमें न उलझें। मॉनसून में लोगों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफॉर्मरों के इर्द–गिर्द जालियां लगाई गई हैं। इसके अलावा, ट्रेंचों की सफाई का काम भी किया गया है।

मॉनसून में जगह–जगह पानी जमा होने से बिजली संबंधी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि बारिश के दिनों में वे बिजली के पोल, सब–स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द–गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों।

बिजली के झटकों व करंट से संबंधित शिकायतों के लिए बीएसईएस के बीवाईपीएल उपभोक्ता 19122 पर और बीआरपीएल उपभोक्ता 19123 पर फोन कर सकते हैं। बीएसईएस ने आरडब्ल्यूए और आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि उन्हें कहीं करंट की आशंका महसूस हो, तो तुरंत उपरोक्त नंबरों पर फोन करें।

बीएसईएस ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि न सिर्फ बाहर, बल्कि घर में भी मॉनसून के दौरान करंट से सावधान रहें। स्विच गीला हो, तो उसे न छुएं। घर में एक टेस्टर रखें और स्विच को छूने से पहले टेस्टर से चेक करें कि कहीं लीकेज तो नहीं हो। शक होने पर अपने इलेक्ट्रिशियन को कॉल करें। याद रखें, बारिश के दिनों में स्विचों में करंट आने का खतरा बना रहता है। किसी लाइसेंसधारी इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर से उपभोक्ता अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें।

वैसे, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जालियां लगा दी हैं, लेकिन, कई बार नशेड़ी और असामाजिक तत्व ट्रांसफॉर्मरों की जालियां उखाड़ लेते हैं या उन्हें क्षतिग्रस्त कर देते हैं। बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि यदि कहीं किसी ट्रांसफॉर्मर की जाली टूटी दिखे या कोई पोल व तार गिरी हुई या क्षतिग्रस्त नजर आए, या बिजली उपकरणों पर पेड़ों की टहनियां गिरी दिखें, तो तुरंत कॉल सेंटर नंबरों पर को बीएसईएस को सूचित करें।

बिजली चोरी की वजह से भी बारिश के सीजन में करंट फैलने का खतरा रहता है। यह न सिर्फ बिजली की चोरी करने वालों के लिए, बल्कि उनके पड़ोसियों के जीवन के लिए भी खतरनाक है। गौरतलब है कि तारों पर लगाए गए कटिये न तो इंसुलेट किए गए होते हैं और न ही ठीक से उसे फिक्स गया गया होता है। ऐसे में, तेज हवा व बारिश में ये कटिये गिर जाते हैं और लोग उसकी चपेट में आ सकते हैं। यह जानलेवा हो सकता है। बीएसईएस की अपील है कि लोग गैरकानूनी व अनाधिकृत तरीके से बिजली का इस्तेमाल न करें। उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि यदि उन्हें कहीं बिजली की चोरी होती दिखे, तो वे तुरंत बीआरपीएल/ बीवाइपीएल के हेल्पलाइन नंबर पर या पुलिस को इसकी सूचना दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

अनप्लांड डिगिंग, रोड कटिंग, आदि के कारण भी करंट फैलने का खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए, लोगों व एजेंसियों को सलाह दी जा रही है कि जमीन, रोड आदि की खुदाई करने से पहले वे बीएसईएस को सूचित करें। लोगों की सेफ्टी के लिए यह आवश्यक है।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर यानी ईएलसीबी लगवाने की भी सलाह दी गई है। ईएलसीबी एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण उपकरण है, जो आपके घर में बिजली के छोटे से छोटे लीकेज को भी पहनान लेगा। बिजली के लीकेज का पता लगते ही ईएलसीबी ट्रिप हो जाएगी और आपके घर की बिजली को डिसकनेक्ट कर देगी। इस तरह, ईएलसीबी बिजली संबंधी बड़े हादसों को टाल सकता है।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि सीईआरसी के निर्देशों के मुताबिक, बिजली के उपकरणों से अपने घर, बालकनी और छज्जों की उपयुक्त दूरी बनाए रखें। ऐसा न करने से जान–माल का नुकसान हो सकता है।

बीएसईएस कॉन्टैक्ट डिटेल्स

कॉल सेंटर
19122– बीआरपीएल, 19123– बीवाईपीएल

बीएसईएस मोबाइल ऐप
गूगल ऐप या ऐप स्टोर से डाउनलोड करें

वॉट्सऐप
बीवाईपीएल– Hi लिखकर उसे 8745999808 भेज दें
बीआरपीएल– Hi लिखकर उसे 9999919123 भेज दें

एसएमएस

बीवाईपीएल–BSESYP<space> NC<space> 9digit CA N and send to 5616108

बीआरपीएल– BSESRP<space> NC<space> 9digit CA N and send to 5616107

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।